PRESS RELEASE

LOK SABHA SPEAKER URGES DELEGATES AT 68TH CPA CONFERENCE IN BARBADOS TO PROMOTE RESPONSIBLE AND ETHICAL USE OF AI WHILE BRIDGING THE DIGITAL DIVIDE/लोक सभा अध्यक्ष ने बारबाडोस में 68वें सीपीए सम्मेलन में प्रतिनिधियों से डिजिटल डिवाइड को कम करते हुए एआई के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

…

AI-BASED DIGITAL SYSTEMS ARE MAKING INDIA's PARLIAMENTARY PROCESSES MORE EFFICIENT AND INCLUSIVE: LOK SABHA SPEAKER/एआई आधारित डिजिटल प्रणालियाँ भारत की संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक कुशल और समावेशी बना रही हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

IN NEAR FUTURE, REAL-TIME AI TRANSLATION SYSTEMS LIKE "SANSAD BHASHINI" WILL ALLOW EVERY MEMBER OF PARLIAMENT TO COMMUNICATE IN THEIR OWN LANGUAGE: LOK SABHA SPEAKER/निकट भविष्य में, "संसद भाषिणी" जैसी रियल-टाइम एआई अनुवाद प्रणाली की सहायता से प्रत्येक संसद सदस्य अपनी भाषा में संवाद करने में सक्षम होगा: लोक सभा अध्यक्ष

…

DEMOCRACY IS AT ITS STRONGEST WHEN CITIZENS ARE DEEPLY ENGAGED WITH THEIR PARLIAMENT: LOK SABHA SPEAKER/लोग जितना अधिक अपनी संसद से जुड़ेंगे , लोकतन्त्र उतना ही अधिक मज़बूत होगा: लोक सभा अध्यक्ष

…

JOURNEY OF INDIAN PARLIAMENT TO E-PARLIAMENT HAS BEEN QUITE PHENOMENAL IN TERMS OF ITS REACH AND FUNCTIONING: LOK SABHA SPEAKER/लोगों तक पहुंच और कामकाज के मामले में भारतीय संसद की , ई-संसद तक की यात्रा अभूतपूर्व रही है: लोक सभा अध्यक्ष

…

UNDER "DIGITAL SANSAD" INITIATIVE, PARLIAMENT OF INDIA HAS DEVELOPED AN INTEGRATED DIGITAL ECOSYSTEM: LOK SABHA SPEAKER/"डिजिटल संसद" पहल के अन्तर्गत, भारत की संसद ने एक एकीकृत डिजिटल प्रणाली विकसित की है: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER CHAIRS WORKSHOP AT 68TH COMMONWEALTH PARLIAMENTARY ASSOCIATION (CPA) CONFERENCE, BARBADOS/लोक सभा अध्यक्ष ने बारबाडोस में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के 68वें सम्मेलन के अवसर पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता की

...

Barbados, 09 October 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla has urged the parliamentarians from Commonwealth nations to promote responsible and ethical use of Artificial Intelligence (AI) while bridging the digital divide through use of technology. Chairing a workshop on the topic 'Leveraging Technology: Enhancing Democracy through Digital Transformations and Tackling the Digital Divide' at the 68th Commonwealth Parliamentary Association (CPA) Conference in Barbados, Shri Birla said that through cooperation and knowledge-sharing, it can be ensured that technology becomes a bridge, not a barrier.

https://x.com/ombirlakota/status/1976113120855638288?t=i_3B4o_rS-NCugcylO84wg&s=08

In his address, he highlighted that technological progress and application of e-Parliament has brought about major transformative shifts in how our parliamentary democracy functions. He stressed that E-Parliament is playing immense role in promoting E-Democracy, in turn, promoting greater citizen engagement.

https://x.com/ombirlakota/status/1976113151591456962?t=4-CYNi1paDgAZQuv0Tq1qw&s=08

Shri Birla highlighted that AI-based digital systems are making India's parliamentary processes more efficient and inclusive. He informed the delegates that systems like AI-based translation, AI-enabled e-Library, and speech-to-text reporting are making parliamentary processes more efficient and inclusive. Speaking about upcoming digital initiatives, Shri Birla said that in the near future, real-time AI translation systems like "Sansad Bhashini" will allow every Member of Parliament to communicate in their own language — a new height for democracy in a diverse country like India.

He stated that democracy is at its strongest when citizens are deeply engaged with their Parliament. He emphasized that technology plays a vital role in strengthening this connection. In this context, he outlined that the journey of Indian Parliament from traditional parliamentary system to E-Parliament has been quite phenomenal

in terms of its reach, functioning and responsiveness to the aspirations of the people. He emphasized that this shift signifies a major advancement in democratic governance, harnessing the potential of technology to strengthen legislative processes and foster deeper citizen participation.

Shri Birla mentioned about various Digital Innovations undertaken in the Parliament of India. He said that under the "Digital Sansad" initiative, the Parliament of India has developed an integrated digital ecosystem which connects Members of Parliament, Ministries, and citizens through a single digital platform.

Shri Birla noted that under the dynamic leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, India has achieved world-class milestones in the digital sector. He added that a low-cost and open Digital Public Infrastructure has been developed for 1.4 billion citizens, transforming both governance and the economy.

Speaking about India's "AI Mission" —AI for All and AI for Good—he said the initiative reflects Prime Minister Shri Narendra Modi's visionary approach, viewing AI not merely as a technological advancement, but as a powerful tool for citizen empowerment and transparent governance. Outlining the rapid growth in India's digital infrastructure, he said that with rapid deployment of 5G, India has become the second-largest 5G market in the world, and active efforts are underway on 6G as well.

Speaking about India's digital payments revolution, Shri mentioned said that the Unified Payments Interface (UPI) has turned digital payments into a mass movement. Additionally, the government is providing free AI training to 1 million citizens, promoting AI awareness and innovation at the grassroots level. He added that these initiatives have made digital connectivity affordable, inclusive, and people-centric.

बारबाडोस, 9 अक्तूबर 2025: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने राष्ट्रमंडल देशों के सांसदों से आग्रह किया कि वे प्रौद्योगिकी का समुचित उपयोग करते हुए और डिजिटल डिवाइड की समस्या का समाधान करते हुए आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विवेकपूर्ण और नैतिक उपयोग को बढ़ावा दें। बारबाडोस में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के 68वें सम्मेलन के दौरान 'प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना: डिजिटल परिवर्तनों के माध्यम से लोकतंत्र को सशक्त बनाना और डिजिटल डिवाइड को दूर करना' विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि आपसी सहयोग से और जानकारी साझा करते हुए यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि प्रौद्योगिकी अवरोध न बनकर सेतु की भूमिका निभाए।

अपने संबोधन में, उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के विकास और ई-संसद के उपयोग से हमारे संसदीय लोकतंत्र के कार्यकरण में बड़े पैमाने पर बदलाव आए हैं। उन्होंने उल्लेख

किया कि ई-संसद पहल, ई-लोकतंत्र को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जिससे लोकतन्त्र में नागरिकों की भागीदारी भी बढ़ रही है।

श्री बिरला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एआई-आधारित डिजिटल प्रणालियाँ भारत की संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और समावेशी बना रही हैं। उन्होंने प्रतिनिधियों को बताया कि एआई-आधारित अनुवाद, एआई-सक्षम ई-लाइब्रेरी और स्पीच-टू-टेक्स्ट रिपोर्टिंग जैसी प्रणालियाँ संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक सफल और समावेशी बना रही हैं। आगामी डिजिटल पहलों के बारे में बताते हुए, श्री बिरला ने कहा कि निकट भविष्य में, "संसद भाषिणी" जैसी रियल-टाइम एआई अनुवाद प्रणालियों से प्रत्येक संसद सदस्य को अपनी भाषा में संवाद करने में मदद मिलेगी, जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तब मज़बूत बनता है जब देश के नागरिक अपनी संसद से गहराई से जुड़े होते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस जुड़ाव को मज़बूत करने में तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस संदर्भ में, उन्होंने उल्लेख किया कि पारंपरिक संसदीय प्रणाली से ई-संसद तक की भारतीय संसद की यात्रा, अपनी पहुँच, कार्यप्रणाली और जन आकांक्षाओं के प्रति जवाबदेही की दृष्टि से अभूतपूर्व रही है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह बदलाव लोकतांत्रिक शासन में एक बड़ी प्रगति का प्रतीक है, जो विधायी प्रक्रियाओं को मज़बूत करने और नागरिकों की अधिकाधिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रोद्योगिकी की क्षमता का प्रभावी उपयोग करता है।

श्री बिरला ने भारत की संसद में कार्यान्वित किए गए विभिन्न डिजिटल नवाचारों का उल्लेख किया और कहा कि "डिजिटल संसद" पहल के तहत, भारत की संसद ने एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम विकसित किया है जो सांसदों, मंत्रालयों और नागरिकों को एक ही डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से जोड़ता है।

श्री ओम बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने डिजिटल क्षेत्र में विश्वस्तरीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने आगे कहा कि 1.4 बिलियन नागरिकों के लिए किफ़ायती और सुलभ डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है, जिससे शासन प्रणाली और अर्थव्यवस्था दोनों का कायाकल्प हुआ है।

भारत के "एआई मिशन"—एआई फॉर ऑल और एआई फॉर गुड—के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच को दर्शाती है। उन्होंने एआई को मात्र तकनीकी प्रगति ही नहीं समझा, बल्कि नागरिक सशक्तिकरण और पारदर्शी शासन के प्रभावी साधन के रूप में देखा है। भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में तेज़ी से हो रहे विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश में 5G का तेजी से विस्तार हो रहा है और 5G के क्षेत्र में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाज़ार बन गया है। साथ ही, 6G के विकास के लिए भी सक्रिय रूप से प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत में डिजिटल भुगतान क्रांति के बारे में बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने डिजिटल भुगतान को एक जन आंदोलन बना दिया है। इसके अतिरिक्त, सरकार दस लाख नागरिकों को एआई संबंधी निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर एआई के संबंध में जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इन पहलों ने डिजिटल कनेक्टिविटी को किफायती, समावेशी और जन-केंद्रित बना दिया है।